गणेश कीर्तनानि

Some popular gaṇēśa kṛtis by various composers

Compiled and typeset
using LaTeX 2ε , pdfLaTeX, and dvng Type I fonts

©August 2003

Contents

1 paripāhi gajānana 3

2 śrīvighnarājam bhaje 5

3 praṇavākāram 7

4 girirājasutātanaya 9

5 śrīgaṇapatini 11

6 śrīgaṇanāthaṁ bhajāmyaham 13

7 gaṁ gaṇapate 15

8 siddhivināyakaṁ seve'ham 17

9 śaktigaṇapatiṁ bhaje'ham 19

10 gaṇapate sugunanidhe 21

11 lambodara mahāgaṇeśa 23

12 śr̄imahāgaṇapate 25

13 praṇamāmyaham 27

14 vandeniśamaham 29

15 gaṁ gaṇapate namaste 31

16 varavallabharamaṇa 33

17 karimukhavarada 35

18 bhaja mānasa 37

19 gajānanaṁ bhaje 39

20 gajavadanā bēḍuvē 41

21 śaraṇu siddhivināyakā 43

1 paripāhi gajānana

परिपाहि गजानन

(महाराजा स्वाति तिरुनाळ्)

रागं सावेरि आदि ताळं

पल्लवि

परिपाहि गणाधिप भासुरमूर्ते

अनुपल्लवि

शरणागतभरण सामजोपम सुन्दरास्य

चरणं

हिमकिरण शकल शेखर तनुभव शमल निवह शमन
कमलजमुख सुरवृन्द नुत चरित कामितपूरक पादसरोरुह ॥१॥

मस्तक विगळित दानजलमिलितमधुकर समुदाय

हस्त लसित निजदन्त महित सुगुणाखुवह गुहसोदर निरुपम ॥ २॥

पावन पङ्कजनाभ मनोहर भगिनेय देव
सेवक जनततिविद्या समधिकश्री सुखदायक भूरि कृपाकर ॥ ३॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

2 śrīvighnarājam bhaje

श्रीविघ्नराजं भजे

(ऊत्तुक्कडु वेङ्कट कवि)

रागम् : गंभीरनाट्ट ताळम्: खण्ड चापु

पल्लवि

श्रीविघ्नराजं भजे तमिह
श्रीविघ्नराजं भजे
श्रीविघ्नराजं भजेऽहं भजेऽहं तमिह

अनुपल्लवि

सन्ततमहं कुञ्जरमुखं शङ्करसुतं तमिह
सन्ततमहं दन्तिसुन्दरमुखं अन्तकान्तकसुतं तमिह

चरणम्

सेवितसुरेन्द्र महनीय गुणशीलम्
जप तप समाधिसुखवरदमनुकूलम्
भावितसुरमुनिगण भक्तपरिपालम्
भयङ्कर विहङ्ग मातङ्गकुल कालम्
कनक केयूर हारावलीकलित
गंभीरगौरगिरिशोभं सुशोभम्
कामादिभयभरितमूढ
मतकलिकलुष खण्डितमखण्डप्रतापम्
सनकशुकनारद पतञ्जलिपराशर
मतङ्गमुनिसङ्ग सल्लापम्
सत्यपरमब्जनयनप्रमुखमुक्तिकर
तत्वमुनिनित्यनिगमादिस्वरूपम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

3 praṇavākāram

प्रणवाकारम्

(ऊत्तुक्कडु वेङ्कट कवि)

रागम् : आरभि ताळम्: आदि

पल्लवि

प्रणवाकारं सिद्धिविनायकम्
प्रसन्नस्मितवदनमनुभावये

मध्यमकाल साहित्यम्

गणनायकं अखिलभुवनमङ्गळवरप्रदायकम्
मणिगणकिरण नानाविधाकल्पतरणं लोककारणम्

चरणम्

मध्यमकाल साहित्यम्

अभिसंवृतशिवगण सुरगण महदानन्दनटनम्
दुन्दुभि डिण्डिम मृदंग दमरुक धूमित ध्वनित समचलचरणम्
करुणारसवर्षणमुखकमलं कात्ययनीव्रतफलदं नन्द
कुमारलब्धवरप्रदं अतिशयलम्बोदरविकटराजं अमलम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

4 girirājasutātanaya

गिरिराजसुतातनय

(त्यागराज)

रागं : बङ्गळ ताळं : देशादि

पल्लवि

गिरिराजसुतातनय सदय

अनुपल्लवि

सुरनाथमुखार्चितपादयुग
परिपालय मां इभराजमुख

चरणम्

गणनाथ परात्पर शङ्करा-
गमवारिनिधि रजनीकर
फणिराज कङ्कण विघ्ननिवारण

शाम्भव श्रीत्यागराजनुत

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

5 śrīgaṇapatini

श्रीगणपतिनि सेविंपरे

(त्यागराज)

रागं : सौराष्ट्रम् ताळं : आदि

पल्लवि

श्रीगणपतिनि सेविंपरे
श्रितमानवुलारा

अनुपल्लवि

वागाधिपादि सुपूजुल जेकोनि
बाग़ नटिपुचु वेडलिन

चरणम्

पनस नारीकेलादि जंबूफलमुलारगिञ्चि
घनतरम्बुननु महिमै पदमुलु

घल्लु घल्लन नुच्चि
अनयमु हरिचरणयुगमुल
हृदयाम्बुजमुन नुच्चि
विनयमुन त्यागराज विनितुड
विविधगतुलु धळंगुमनि वेडलन

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

6 śrīgaṇanāthaṁ bhajāmyaham

श्रीगणनाथं भजाम्यहम्

(त्यागराज (??))

रागं : कनकङ्गि ताळं : सादि

पल्लवि

श्रीगणनाथं भजाम्यहम्
श्रीकरं चिन्तितार्थफलदम्

अनुपल्लवि

श्रीगुरुगुहाग्रजं अग्रपूज्यम्
श्रीकण्ठात्मजं श्रितसाम्राज्यम्

चरणम्

रञ्जित नाटकरङ्ग तोषणम्
चिञ्जित वरमणिमय भूषणम्

आञ्जनेयावतारं सुभाषणम्
कुञ्जरमुखं त्यागराजपोषणम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

7 gaṁ gaṇapate

गं गणपते नमो नमो

(हरिकेशनल्लुर् मुत्तय्या भागवतर्)

रागं : हंसध्वनि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

गं गणपते नमो नमो
शङ्करि तनय नमो नमो

अनुपल्लवि

अङ्कुशधर मङ्गळकर
पङ्कज चरण वरावरण

चरणम्

पङ्कजासनादि वन्दित भक्तार्ति हरण मुदित

कुंकुम गुणनिधे हरिकेशकुमार मन्दार

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

8 siddhivināyakaṁ seve'ham

सिद्धिविनायकं सेवेऽहम्

(हरिकेशनल्लुर् मुत्तय्या भागवतर्)

रागं : मोहनकल्याणि ताळं : आदि

पल्लवि

सिद्धिविनायकं सेवेऽहं वरम्

अनुपल्लवि

बुद्धिदेवि विवरं भोगि कनक करम्
शुद्ध कळेभरं सोमकलाधरम्

चरणम्

मोदक हस्तं मूषिक वाहं
मुनि हृद्गेहं मोहनिधानम्
वेदसमूहं बोधप्रवाहं

श्रीदनिवासं श्रितहरिकेशम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

9 śaktigaṇapatiṁ bhaje'ham

शक्तिगणपतिं भजेऽहम्

(हरिकेशनल्लुर् मुत्तय्या भागवतर्)

रागं : नाट्ट ताळं : रूपकम्

पल्लवि

शक्ति गणपतिं भजेऽहम्
सर्व सौभाग्यप्रदम्

अनुपल्लवि

रक्ति भक्ति भाव सहित निज गान कलाशरम्
रस ललित त्रिशतिनाम कीर्तनानुग्रहपरम्

चरणम्

भानुकोटि संकाशं पापहरं परमेशम्
दानवकुल हरणचणमसकल विघ्ननिवारणम्

मनित मूषकवाहं वश्यमोहन देहम्
दीनबाल हरिकेश दिव्यसुन्दर कुमारम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

10 gaṇapate sugunanidhe

गणपते सुगुणनिधे

(हरिकेशनल्लुर् मुत्तय्या भागवतर्)

रागं : जनरञ्जनि ताळं : आदि

पल्लवि

गणपते सुगुणनिधे महा

अनुपल्लवि

मणिमय भूषण इभानन
ऋणविमोचन नागभूषण

चरणम्

मूलकारण मूषिकवाहन
मुनिजन वन्द्य मोदक हस्त
कालकाल श्रीहरिकेश -

बाल मां पालय भक्त वरद

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

11 lambodara mahāgaṇeśa

लंबोदर महागणेशवरद

(हरिकेशनल्लुर् मुत्तय्या भागवतर्)

रागं : नवरसकन्नड ताळं : आदि

पल्लवि

लंबोदर महागणेश वरद
लावण्य गजानन

अनुपल्लवि

अंभोरुहासनादि नुत
जंबूफलप्रिय श्रीकरमूर्ते

चरणम्

मोदकहस्त मूषिक वाहन
मुनिवरपूजित मोहनाकार

आदिदेव हरिकेशसुत
अमितफलद मामव शुभदात

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

12 śrīmahāgaṇapate

श्रीमहागणपते देहि शिवम्

(हरिकेशनल्लुर् मुत्तय्या भागवतर्)

रागं : मलहरि ताळं : रूपकम्

पल्लवि

श्रीमहागणपते देहि शिवं दयानिधे

अनुपल्लवि

वामनरूप अलंकार कोमळतर
शुभशरीर जंबूफलप्रिय श्रीकरमूर्ते

चरणम्

हरिकेशाष्टोत्तर शत वार नाम
कृति सहित्य लय नवरसयुत
सुरिचिर वाग्जारं देहि

परिपूर्णानुग्रहमूर्ते
पावन घन कीर्ते

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

13 praṇamāmyaham

प्रणमाम्यहं श्रीगौरीसुतम्

(मैसूर् वासुदेवाचार्यर्)

रागं : गौळ ताळं : रूपकम्

पल्लवि

प्रणमाम्यहं श्रीगौरीसुतम्
फणितल्प वासुदेवसुतम्

अनुपल्लवि

गणनाथममरबृन्द सेवितम्
फणिहार भूषितं मुनिवर वन्दितम्

चरणम्

धृतचारुमोदकं गजमुखम्
सितकर्मामित गर्व भञ्जकम्

नतभूत सन्तोषदायकम्
श्रितभक्तपालकं सिद्धिविनायकम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

14 vandeniśamaham

वन्देनिशमहम्

(मैसूर् वासुदेवाचार्यर्)

रागं : हंसध्वनि ताळं : आदि

पल्लवि

वन्देनिशमहं वारण वरदम्
नन्दीश वाहन वरन नन्दनम्

अनुपल्लवि

वन्दारु मण्डल विघ्न वारणम्
बृन्दारकात्यपि वन्दित चरणम्

चरणम्

भासमान पाशाङ्कुश धरम्
भूसुरादि परिपालनपरम्

भासुरमणि भूषित कन्धरम्
वासुदेव चर्रणार्चन तत्परम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

15 gaṁ gaṇapate namaste

गं गणपते नमस्ते

(जयचामराज ओडैयार्)

रागं : दूर्वाङ्कि ताळं : तिश्र त्रिपुट

पल्लवि

गं गणपते नमस्ते
गन्धानुलिप्तसर्वाङ्गयुत

अनुपल्लवि

गङ्गाधरसम्मोदित गङ्गाजलाभिषिक्त
गाङ्गेयरत्नाभरणभूषित गन्धर्वगानासक्त

चरणम्

सिद्धयोगिसुरमुनिवन्दित
बुद्धिदायक सुवुभवयुत

सिद्धिकर श्रीविद्यापालित

शुद्धमति वरप्रदानतर

भाद्रपदशुक्लचतुर्थीमहित

दूर्वाङ्किरागतोषित

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

16 varavallabharamaṇa

वरवल्लभरमण

(जि एन् बालसुब्रह्मण्यम्)

रागं : हंसध्वनि ताळं : आदि

पल्लवि

वरवल्लभ रमण विघ्न हरण
सरसीरुहचरण मां पलय

अनुपल्लवि

हरमुकोद्भव सुरगण नायक
हरिविधीन्द्रादि हर्षप्रदायक

चरणम्

करधृत कमल कदारि दनुबीज
पुर पाशोत्पल दान्यरुचा दशन

स्मरसत सुन्दर स्मर सख कलाधर
श्रितजन मन्दार श्री लंबोदर

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

17 karimukhavarada

करिमुखवरद मां पालय

(जि एन् बालसुब्रह्मण्यम्)

रागं : नाट्ट ताळं : आदि

पल्लवि

करिमुख वरद मं पालय

अनुपल्लवि

परिकीर्तित विघ्न निवारण
सरि सम रहित सङ्कटहरण

चरणम्

हरि सुरेशादि वन्दित पाद
गिरिकन्यासुत गीत ज्ञानत
दुरित दुःख भय ताप संहार

हरित मोदक आम्रफलप्रिय

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

भज मानस विघ्नेश्वरमनिशम्

(तुळसीवनम्)

रागं : बहुदारि ताळं : आदि

पल्लवि

भज मानस विघ्नेश्वरमनिशम्
भज पूर्वापण सदन गणेशम्

अनुपल्लवि

गजवदनं दुरितौघविनाशम्
गदशमनं शतसूर्यनिकाशम्

चरणम्

वरदं जनशरणं भयहरणम्
वरमुनिमानस भाव विहारम्

वरफलरसनरतं भवतरणम्
वन तुळसीदळ पूजित चरणम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

19 gajānanaṁ bhaje

गजाननं भजे

(तुळसीवनम्)

रागं : कमलामनोहरि ताळं : आदि

पल्लवि

गजाननं भजे विषादनाशनम्
गणेशमानन्द घनं सनातनम्

अनुपल्लवि

सुजात गौरी परमेश नन्दनम्
सुशोभपूर्वापण देशमण्डनम्

चरणम्

विराट्स्वरूपं विमलं निरञ्जनम्
विरोचनाभं नतलोकरञ्जकम्

विराजमानसं श्रित विघ्न भञ्जनम्
विलासिनं पापतूल प्रभञ्जनम्

मध्यमकाल साहित्यम्

विरागिणं शमदम गुणभरितम्
सुराधिपार्चितं अद्भुतचरितम्
निराकृतपदं आगमनिहितम्
परात्परं वन तुळसीनिरतम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

20 gajavadanā bēḍuvē

गजवदना बेडुवे

(पुरन्धरदास)

रागं : हंसध्वनि ताळं : आदि

पल्लवि

गजवदन बेडुवे गौरीतनय
त्रिजगवन्दितने सुजनर पोरेवने

अनुपल्लवि

पाशाङ्कुशधर परम पवित्र
मूषिकवहन मुनिजन प्रेम

चरणम्

मोददि निन्नय पादव तोरो
साधु वन्दितने आदरदिन्दल

सरसिजनाभ श्री पुरन्धर विट्टलन
निरुत नेरयुवन्दे सयमाडो

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

21 śaraṇu siddhivināyakā

शरणु सिद्धिविनायक

(पुरन्धरदास)

रागं: सौराष्ट्रम् ताळं : त्रिपुट

पल्लवि

शरणु सिद्धिविनायक
शरणु विद्याप्रदायक

अनुपल्लवि

शरणु पार्वति तनय मूरुति
शरणु मूषिकवाहन

चरणम्

निटिल नेत्रन देवि सुतने
नागभूषण प्रियने

तटिलताङ्कित कोमळाङ्गने
कर्णकुण्डल धारने ॥ १ ॥

बट्ट मुत्तिन पदक हारणे

बाहुहस्त चतुष्टने

इट्टतोडुगेय हेम कङ्कण
पाश अङ्कुश धारने ॥ २ ॥

कुक्षि महा लम्बोदरने

इक्षु चापन गेलिदने

पक्षिवाहन सिरि पुरन्धर
विट्टलन निज दासने

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠